an>

Title: Need to conserve and declare "Buxar-Tapo Bhoomi" of Rishi Vishwamitra-as well as other religious, historical and mythological places in Bihar as a national heritage.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) ः मैं अपने संसदीय क्षेत्र के पौराणिक महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि बक्सर सहित बिहार के विश्व सुप्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय, कहलगांव, भागलपुर, बांका जिला अंतर्गत ""मंदार पर्वत"" (जहां देवताओं द्वारा शेषनाग को रस्सी के रूप में मंदार पर्वत से लपेटकर पर्वत को मथनी के रूप में प्रयुक्त करते हुए देवासुर संग्राम के दौरान समुद्र मंथन किया गया था), मधुसूदन मंदिर, अंगराज दानवीर कर्ण की धरती नाथनगर, भागलपुर, कर्णगढ़ एवं मुंगेर का कर्णकिला तथा 14वीं सदी के मैथिली कवि कोकिल महान् राष्ट्र कवि विद्यापति जी की पावन जन्म स्थली विस्फी, मधुबनी (मिथिलांचल) सहित ""उगना महोदव"" आदि गौरवशाली स्थलों को राष्ट्रीय सांस्कृतिक, आध्यात्मिक धरोहर के रूप में घोषित कर उसके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूं।

बक्सर का ""पंचकोशी मेला"", जहां भगवान राम स्वयं उन पांचों स्थलों पर अपने छोटे भाई लक्ष्मण के साथ गए थे, उनकी भव्य प्रतिमा एवं राम दरबार की झांकी स्थापित करने के साथ ही पंचकोशी क्षेत्र को विकसित करने हेतु अवशेषों का जीर्णोद्धार तथा सड़क, पेयजल, विद्युत, विधि-कानून की समुचित व्यवस्था, पर्यावरण हेतु वृक्षारोपण, पौराणिक तालाब-घाटों आदि को अतिक्रमण मुक्त कर जीर्णोद्धार/निर्माण कराना लोकहित में आवश्यक है। लाखों लोग प्रतिवर्ष तीर्थाटन हेतु राज्य एवं राज्य के बाहर से पंचकोशी मेले में आते हैं। बक्सर स्थित रामरेखा घाट पर भगवान राम ने बाल्यकाल में गंगा स्नान कर मृत्तिका से शिवलिंग की स्थापना कर लोक-कल्याणार्थ पूजा-अर्चना की थी, जो रामेश्वर मंदिर के रूप में सुविख्यादित है। शास्त्रों में वर्णित ""वामन भगवान"" की अवतार भूमि भी यही स्थल रही है, जो आज केन्द्रीय कारा, बक्सर के अंदर है, उसे कारा से मुक्त कर वहां सर्वसुलभ दर्शनार्थ भव्य मंदिर निर्माण करने, सप्तपौराणिक शिवकुण्ड स्थल (प्राचीन गौरीशंकर मंदिर) तथा भगवान राम के चरण-रज द्वारा शिला रूप से माता अहिल्या का उद्धार स्थल अहिरौली आदि क्षेत्रों के जीर्णोद्धार सहित परिक्रमा मार्ग का निर्माण कराया जाए। बक्सर मर्यादा पुरूषोत्तम राम की शिक्षा-दीक्षा (प्रशिक्षण) भूमि के रूप में सुप्रसिद्ध है, जहां चरित्र वन में भगवान राम ने विश्वामित्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर ताड़िकासुर का वध किया था।

अतएव, बक्सर को विश्व पौराणिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय धरोहर के मानचित्र पर स्थापित किया जाए।

अतएव केन्द्र सरकार द्वारा विश्व प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर विक्रमशिला विश्वविद्यालय को नालन्दा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की तर्ज पर विकसित कर दर्जा प्रदान करने एवं राष्ट्रीय, सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दर्ज किया जाए। साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा घोषित केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कहलगांव, भागलपुर (बिहार) में यथाशीघ्र शिविर (कैम्प) स्थापित किया जाए, जिससे वहां पठन-पाठन प्रारम्भ किया जा सके। इसके अतिरिक्त पुरातत्व विभाग द्वारा विक्रमशिला विश्वविद्यालय की अवशेष खुदाई पूर्ण की जाए तथा विक्रमशिला को बौद्ध परिपथ (बुद्ध सर्किट) के साथ जोड़ा जाए।

अंगराज दानवीर कर्ण की धरती नाथनगर, भागलपुर के कर्णगढ़ एवं मुंगेर के कर्णकिला को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में दर्ज करते हुए विकसित कर ""कर्ण स्तूप"" का निर्माण किया जाए।

अतएव विद्यापति जी की जन्मस्थली विस्फी, मधुबनी सहित ""उगना महादेव"" (भगवान शंकर, जो स्वयं उगना बनकर सेवक के रूप में विद्यापति जी के यहां चाकरी करते थे) को राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक धरोहर के रूप में घोषित करते हुए विकसित किया जाए। साथ ही 14वीं सदी के महान राष्ट्रकवि विद्यापति जी को महिमामण्डित करते हुए संसद भवन परिसर एवं बिहार विधानमंडल परिसर में उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित की जाए।